सीएसआईआर
एनबीआरआई

पुष्प निर्जलीकरण कला

पुष्प–पत्तियों तथा पौधों के अन्य भागों में 75 प्रतिशत या इससे भी अधिक जल की मात्रा होती है। यही नमी या जल इसको जीवाणुओं एवं कवकों के आक्रमण से सड़ाता है। जल का तीव्र, अनियन्त्रित वाष्पन और पृष्ठतनाव आकार एवं रंग के परिवर्तन का मूल कारण है। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ देश का एक ऐसा अग्रणी संस्थान है जहां पुष्प निर्जलीकरण और उनसे आकर्षक उत्पाद बनाने पर शोध कार्य हो रहा है।

फूलों और पत्तियों के रंग, आकार, सुन्दरता के संरक्षण एवं भौतिक क्षरण से बचाने के लिये पुष्प तथा अन्य पादप अंगों को अत्यन्त सावधानीपूर्वक सुखाते हैं। निर्जलीकरण का अर्थ है कि पुष्पों को कृत्रिम रुप से जनित गर्मी द्वारा नियन्त्रित ताप, आर्द्रता एवं वायु प्रवाह पर सुखाना। पुष्पों एवं पत्तियों को भिन्न–भिन्न विधियों द्वारा सुखाया जाता है।

निर्जलीकृत फूल एवं पत्तियों का उपयोग अनेक प्रकार से किया जाता है । प्रेस किये गये फूल एवं पत्तियों का उपयोग कलापूर्ण ग्रीटिंग कार्ड, वॉल प्लेट, लैंडस्कैप की डिजाइनिंग में किया जाता है। इम्बेडिंग से प्राप्त निर्जलीकृत पुष्पों का उपयोग विद्याार्थियों के शिक्षण एवं प्रयोगशाला में प्रदर्शन हेतु किया जा सकता है।

आवश्यक सामग्री

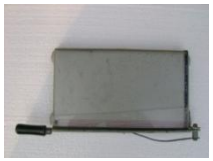

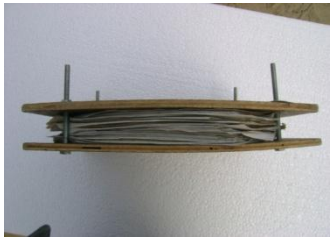

थर्मोकोल शीट
पारदर्शी शीशे या प्लास्टिक के पात्र
वेलवेट कागज ; अलग–अलग रंग के अखबार या सोख्ता कागज
कैंची, चिमटी, ब्लेड, लकड़ी की पटरी
फेवीकाल, अरेलडाइट, इनामेल पेन्ट
ओवेन, प्लांट प्रेस, डेसीकेटर
डस्टबिन, प्लास्टिक, मिट्टी के पात्र
टिन के बक्से
कोरुगेटेड शीट, आइवरी शीट
कैल्शियम क्लोराइड, सिलिकाजेल

उपयुक्त पुष्प

हेलीक्राइसम, एक्रोक्लाइनम, एनुअल क्राइसेन्थीमम, जिप्सोफिला, डैन्थस, कैन्डीटफ्ट, गेंदा, स्टेटिस, कैरिओप्सिस

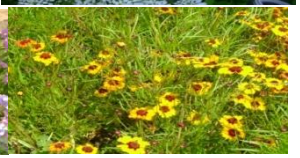

फूल पत्तियों को दबा कर सुखाना– ग्रीटिंग कार्ड, वाल प्लेट, टेबल टाप्स, लैण्ड स्केप

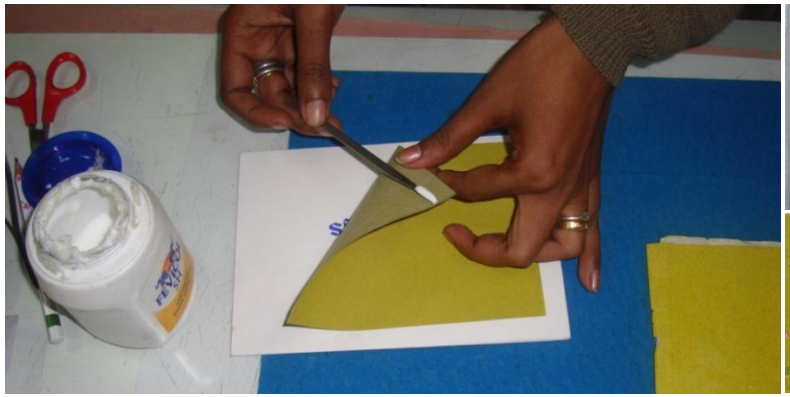

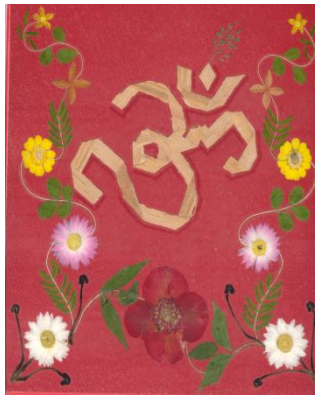

अन्तःस्थापना, इम्बेडिंग द्वारा निर्जलीकरण

प्रशिक्षण कार्यक्रम

निर्जलीकृत पुष्प कला का प्रचार-प्रसार